विज्ञान, राजसत्ता तथा धर्म सत्ता के आपसी सहयोग से विश्व शांति सम्भव - प्रो0 धूमल

आबू रोड, 19 जनवरी, निसं। समाज व राष्ट्र के विकास में अपराधिक प्रवृत्तियां सबसे बड़ी बाधक है। आज के समय में विज्ञान, आध्यात्मिक और राजसत्ता तीनों साथ मिलकर कार्य करें तो विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है। सभी एक दूसरे के सहयोग से देश व समाज का सर्वांगिण विकास कर सकती है। उक्त उदगार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रो0 प्रेम कुमार धूमल ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज शांन्तिवन परिसर में बाबा की पुण्य तिथि के अवसर पर विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ एकता से है। मनुष्य को कभी भी अपने धर्म अर्थात एकता को नहीं छोड़ना चाहिए। छोटे-बड़े का भेदभाव विकास में अवरोध पैदा करता है। हमें देश का जागरूक एवं जिम्मेवार व्यक्ति बनकर राष्ट्र व समाज के विकास में लग जाना चाहिए। महापुरूषों और देवर्षियों ने कलियुग के अन्त की जो व्याख्या की थी आज वो हमारे सामने घट रही है। ऐसे हालातों में जरूरी है कि ईश्वर के सान्निध्य में रहते हुए अपने आंतरिक विकास को महत्व दें। विनाश के समय में परमात्मा से सम्बन्ध रखने वाले लोग ही सम्पूर्ण विनाश की प्रक्रिया से बचा सकेंगे। अपने अंदर के विकारों को समाप्त कर मूल्यों को धारण कर देवधारी पुरुष बनने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में देश विदेश के 70 देशों से हजारो लोग शरीक हुए। इसके साथ ही पूरे दुनियां में अमन चैन व शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना व दुआयें की।

उन्होंने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व शांति के आयोजन से पूरे विश्व के 132 देशों में आयोजित इस कार्यक्रम से उन तमाम आत्माओं को शांति मिली होगी जो शांति की तलाश में है।

इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि इस कार्यक्रम से समस्त विश्व में शांति की लहर पैदा हुई है। परमात्मा का अवतरण विश्व शांति के लिए हुआ है। नि:संदेह इस संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों से देश व समाज में शांति स्थापित करने का संकल्प पूरा होगा। इस अवसर प्यूरिटी दिल्ली के प्रधान सम्पादक, ब्र0 कु0 बृजमोहन, संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र0 कु0 मृत्युंजय ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

इसके पश्चात दादी रतनमोहिनी ने शाल ओढ़ाकर माननीय मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा ईश्वरीय मोमेन्टों भेंट की। इसके बाद वे मानपुर एअरपोर्ट से विमान द्वारा सीधे दिल्ली प्रस्थान कर गये।

शान्तिवन देख अभिभूत हुए धूमल: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शान्तिवन का अवलोकन कर अभिभूत हो गये। विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा का तमगा हासिल कर चुके सोलार सिस्टम की काफी सराहना की और इसे ऊर्जा संरक्षण का बेहतर विकल्प बताया।

फोटो, 19एबीआरओपी0 1, 2, 3, 4, 5 विश्व शांति दिवस के लिए आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते मुख्यमंत्री, सभा में उपस्थित देश-विदेश के हजारों लोग, प्रो0 धूमल को मोमेटों प्रदान करती दादी रतनमोहिनी।